पाठ 5. गांधी जी के बंदर

पाठ की भूमिका

इस कविता का उद्देश्य बच्चों को अच्छे आचरण के बारे में बताना है। अच्छी चीज़ें देखने, सुनने और बोलने की आदतें यदि बचपन से ही पड़ जाएँ तो बच्चे बड़े होकर अच्छे संस्कारों वाले इनसान बन पाएँगे। यह पाठ महत्वपूर्ण मुद्दों को समझकर उनसे निबटने में सक्षम होने का कौशल विकसित करता है।

पाठ का सार

गांधी जी के पास तीन बंदरों की मूर्तियाँ थीं। पहली मूर्ति ने अपनी आँखें ढक रखी थीं। यह इस बात का संकेत देता है कि हमें बुरी चीज़ों को देखने से परहेज़ करना चाहिए। गांधी जी की दूसरी मूर्ति ने अपने कान ढक रखे थे। यह इस बात का संकेत देता है कि हमें बुरी बातों को सुनने से बचना चाहिए। तीसरी मूर्ति ने अपना मुँह ढक रखा था जो यह संकेत देता है कि हमें कड़वी या बुरी बात बोलने से बचना चाहिए। यदि हम इन सभी बातों पर ध्यान दें और इनका अनुसरण करें तो हमें जीवन में कभी असफलता नहीं मिलेगी।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों से कविता का मुखर, एकल व सामूहिक वाचन करवाएँ। गांधी जी और उनसे संबंधित कुछ रोचक प्रसंगों की चर्चा अवश्य करें। कविता वाचन में लय, आरोह-अवरोह, उच्चारण, आदि पर विशेष ध्यान दें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्न** के अंतर्गत उत्तर देने का अवसर अधिक से अधिक बच्चों को मिले, यह अवश्य सुनिश्चित करें। अशुद्ध उत्तरों की दशा में अन्य बच्चों से शुद्ध उत्तर देने की अपेक्षा करें।

    बूझो पहेली के अंतर्गत शरीर के अंगों के नाम पूछे गए हैं। बच्चों को हाव-भाव के साथ इन प्रश्नों के उत्तर बताने के लिए प्रोत्साहित करे।
  - **पाठ आधारित प्रश्नों** के उत्तर कविता में से ढूँढ़ने को कहें और यह सुनिश्चित करें कि बच्चे उन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी शुद्ध-शुद्ध लिखना, बोलना और पढ़ना है।
  - बच्चों को समझाएँ कि कुछ शब्द दो रूपों में लिखे जाते हैं और दोनों रूप सही होते हैं। कुछ अन्य उदाहरण भी दिए जा सकते हैं, जैसे-मन्दिर-मंदिर, दण्ड-दंड, पम्प-पंप, आदि।
  - बच्चों को बताएँ कि **देना, बोलना, देखना** और **खाना** किसी-न-किसी काम के बारे में बताने वाले शब्द हैं। वाक्य में इनका रूप प्रयोग के अनुसार बदलता रहता है। ऐसे कुछ अन्य शब्द और उनसे बने वाक्य ब्लैकबोर्ड पर लिखकर समझाए जा सकते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - टोपीवाला और बंदर की कहानी के माध्यम से बंदर के स्वभाव के बारे में चर्चा की जा सकती है।
  - जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा और राजेंद्र प्रसाद जैसे कुछ महापुरुषों के नाम गिनाए जा सकते हैं। बच्चे जब यह क्रियाकलाप कर लें तब इन महापुरुषों के बारे में चर्चा की जा सकती है।